विश्व हिन्दी सचिवालय की अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका में डॉ. कमलेश गोगिया का शोध आलेख

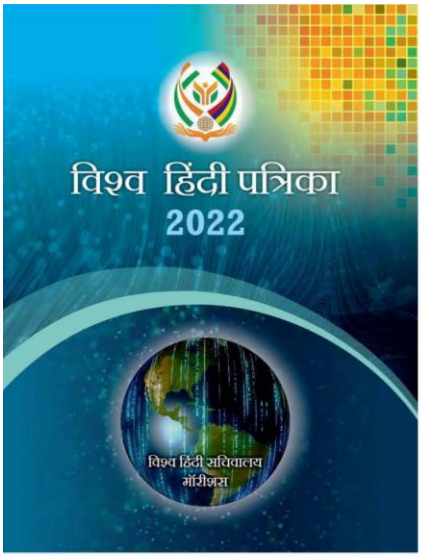

विश्व हिंदी पत्रिका
2022

मुख्य संपादक
डॉ. माधुरी रामदारी

विश्व हिंदी सचिवालय
इंडिपेंडेंस स्ट्रीट, फीनिक्स 73423,
मॉरीशस

World Hindi Secretariat
Independance Street, Phoenix 73423,
Mauritius

info@vishwahindi.com
वेबसाइट / Website : www.vishwahindi.com
फ़ोन / Phone : +230-6600800

ISSN No. : 1694-2477

हिंदी का ई-संसार और जन-माध्यम

15. नए संचार माध्यम और हिंदी के बढ़ते कदम - डॉ. कमलेश गोगिया 80

नए संचार माध्यम और हिंदी के बढ़ते कदम

डॉ. कमलेश गोगिया
छत्तीसगढ़, भारत

परिवर्तन अखिल ब्रह्मांड का शाश्वत नियम है। परिवर्तन हर क्षण घटित होता है और इसके साथ ही हर बीता क्षण इतिहास बनता चला जाता है। इतिहास से प्रेरणा लेकर ही वर्तमान में उठाए गए कदम भविष्य की राह तय करते हैं। इस राह में कोई काँटों से ज़ख्मी होकर मंज़िल तक पहुँचने से पहले ही मिट जाता है, तो कोई संघर्षरत रहकर 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के बीज-मंत्र के साथ प्रगति करता चला जाता है। भारतीय भाषाओं की जननी संस्कृत से लेकर पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट और फिर हिंदी तक के लगभग एक हज़ार साल के इस सफ़र में हिंदी की गिनती दूर-दूर तक उन भाषाओं में नहीं की जा सकती, जो या तो पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं। हिंदी ने अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए भाषाई चुनौती-रूपी काँटों भरी राह में, अनेक ज़ख्म सहे हैं। उसे ये ज़ख्म अपने घर में ज़्यादा मिले, लेकिन हिंदी और हिंदी के शुभचिंतकों, लेखकों, भाषा वैज्ञानिकों, साहित्यकारों, पत्रकारों में संवाद करने में सक्षम हैं। कहने का आशय यह है कि हिंदी भाषा ऐसी विशेषताओं से परिपूर्ण है, जिसने हर तकनीकी विकास के साथ कदम-से-कदम मिलाकर अपनी पहचान बनाए रखने में अपने-आपको समर्थ प्रमाणित किया है।

लगभग दो दशक पहले की बात है, हिंदी के विकास में अग्रणी मीडिया संस्थान बी.बी.सी. ने, अपनी हिंदी सेवा की साठवीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में, नई दिल्ली में 'हिंदी का बदलता स्वरूप : नए समाचार माध्यम, नई चुनौतियाँ' विषय पर एक सेमीनार का आयोजन किया था। इस सेमीनार के डॉक्यूमेंटेशन के रूप में 'नए जनसंचार माध्यम और हिंदी' नामक पुस्तक का प्रकाशन किया गया। इस पुस्तक के माध्यम से अचला शर्मा ने अपने आलेख 'बी. बी.सी. की ओर से' में एक बड़ा सवाल उठाया था कि "क्या हिंदी भाषा, नई तकनीक, नए प्रसार माध्यमों के अनुरूप खुद को ढाल पाएगी?" आज दो दशक बाद, विश्व हिंदी सचिवालय की 'विश्व हिंदी

विश्व हिन्दी पत्रिका–2022 में पूरे विश्व के 34 विद्वानों के मौलिक व सूचनापरक शोध आलेख शामिल किए गये

पूरे विश्व में हिन्दी भाषा और साहित्य को समृद्ध करने में अग्रणी भारत और मॉरीशस सरकार की द्विपक्षीय संस्था विश्व हिन्दी सचिवालय, मॉरीशस ने मैट्स यूनिवर्सिटी के कला एवं मानविकी अध्ययनशाला, हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. कमलेश गोगिया के शोध आलेख को विश्व हिन्दी पत्रिका–2022 में प्रकाशित किया है। इस पत्रिका में पूरे विश्व के 34 विद्वानों के शोध आलेख शामिल किए गए हैं। विश्व हिन्दी पत्रिका विश्व हिन्दी सचिवालय, मॉरीशस सरकार द्वारा प्रकाशित एक अंतरराष्ट्रीय वार्षिक शोध पत्रिका है जिसमें पूरे विश्व के हिन्दी विद्वानों, शोधार्थियों, चिंतकों के मौलिक, सूचनापरक व चयनित शोध आलेख प्रकाशित किये जाते हैं। विश्व हिन्दी पत्रिका–2022 का अंक

हाल ही में जारी किया गया जिसमें पूरे विश्व के 34 विद्वानों के शोध आलेख को स्थान दिया गया है। इनमें डॉ. कमलेश गोगिया के शोध आलेख 'नए संचार माध्यम और हिन्दी के बढ़ते कदम' को शामिल किया गया है। इसके पूर्व भी डॉ. कमलेश गोगिया के शोध आलेख को विश्व हिन्दी सचिवालय ने विश्व हिन्दी पत्रिका–2021 में प्रकाशित किया था। इनमें 37 विद्वानों के शोध पत्र शामिल थे और छत्तीसगढ़ से एकमात्र डॉ. कमलेश गोगिया के शोध आलेख को प्रकाशित किया गया था। डॉ. कमलेश गोगिया विभिन्न समसामयिक विषयों पर अनुसंधानरत हैं।

सन 1975 में नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान एक विश्व हिंदी केंद्र की स्थापना का विचार मॉरीशस के तत्कालीन प्रधानमंत्री व प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष सर शिवसागर रामगुलाम द्वारा प्रस्तुत किया गया था। इस विचार ने दृढ़ संकल्प का रूप धारण किया मॉरीशस में आयोजित द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन में और लगातार कई विश्व हिंदी सम्मेलनों में मंथन के बाद मॉरीशस में विश्व हिंदी सचिवालय की स्थापना का विचार साकार हुआ। भारत सरकार व मॉरीशस सरकार के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए तथा मॉरीशस की विधानसभा में अधिनियम पारित किया गया था। पूरे विश्व में हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए विश्व हिन्दी सचिवालय मॉरीशस सबसे महत्वपूर्ण संस्था है। मैट्स विश्वविद्यालय परिवार ने डॉ. कमलेश गोगिया की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।